or "Deemed Industry" awarded by Government and if so, what are the names of trades or business enjoying the "Industry" status and he reasons for awarding such status to each;

(b) whether Government propose to award 'Industry' status to various services being provided in the tourism sector such as airlines, hotels, travel agencies, credit cards tourist car services, amusement parks and other tourist related services; and

(c) if so, when the industry status to the above tourism services is expected and what are the broad nature of concessions which these sei vices are expected to enjoy and if not, the reasons thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI) : (a) to (c) Under the New Industrial Policy, 1991 hotel and tourism related industries have been declared as industries eligible for automatic approval of foreign equity investment upto 51%. They are eligible for various financial and fiscal incentives declared by the Central Government/State Governments from time to time.

गुजरात में लघु उद्योग एकक

1388. **श्री राम सिंह रठवा** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात राज्य में इस समय कार्यरत लघु उद्योग एककों का कोई सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो उसका जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि गत दो वर्षों के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में काफी बड़ी संख्या में लघु उद्योग एकक बन्द कर दिये गए थे;

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार निकट भविष्य में गुजरात के बन्द पड़े लघु उद्योग एककों में पुन: उत्पादन कार्य आरम्भ करने के लिए क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) और (ख) जी, हां। विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय ने 1989–91 के दौरान लघु उद्योग विकास संगठन (सीडो) के कार्य-क्षेत्र में आने वाले तथा गुजरात राज्य सहित विभिन्न राज्य/संघ शासित क्षेत्र उद्योग निदेशालयों में 31-3-1988 तक पंजीकृत लघु औद्योगिक एककों की दूसरी अखिल भारतीय गणना की और 5.82 लाख चालू एककों से राज्य/जिला/उत्पाद स्तर पर विस्तृत सूचना एकत्र की है। सर्वेक्षण का संदर्भ वर्ष 1987-88 था। गुजरात राज्य से राज्यवार रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। गणना के परिणामों से ये देखा गया था कि 1987-88 के दौरान राज्य उद्योग निदेशालय, गुजरात सरकार में पंजीकृत 35,000 लघु एकक चालू हालत में पाए गए। जिलावार ब्यौरे अनुबंध-I में दिये गए हैं।

(ग) और (घ) पिछले दो वर्षों के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों में बन्द एककों की संख्या का पता लगाने के लिए कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है। तथापि लघु औद्योगिक एककों की दूसरी अखिल भारतीय गणना के परिणामों से यह पता लगता है कि राज्य उद्योग निदेशालय, गुजरात सरकार में पंजीकृत 18945 एकक 15 वर्षों अर्थात् 1-1-1973 से 31-3-1988 के दौरान गुजरात में विभिन्न कारणों से बंद अथवा लुप्त पाये गए थे। जिलावार ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं।

(ङ) बैंकों द्वारा जीव्यक्षम एककों के पुनर्वास उपाय नियमित आधार पर किए जा रहे हैं।

विवरण

उद्योग निदेशालय, गुजरात सरकार के पास 31-3-88 तक पंजीकृत सीडो एककों की जिलावार संख्या तथा बंद पड़े एककों की संख्या दर्शाने वाला विवरण

क. संरचना में शामिल तथा समावेश के लिए एककों की संख्या—58328

ख. चालू पाये गये एकक—35000

ग. चालू एकक जिसके लिए आंकड़े सारणीबद्ध हैं—34453

क्रम संख्या	जिले का नाम	चालू एककों की संख्या जिसके लिए आंकड़े सारणीबद्ध हैं	बंद पाये गये एककों की संख्या
1	2	3	4
1	अहमदाबाद	8068	5947
2	अमरेली	527	358
3	बनासकांठा	600	234
4	भड़ोच	1192	612
5	भावनगर	1926	1005
6	डांग्स	2	–
7	गांधीनगर	278	184
8	जामनगर	1786	1188
9	जूनागढ़	1035	530
10	खेड़ा	1727	1044
11	कच्छ	419	331
12	महसाना	1370	865
13	पंचमहल	681	360
14	राजकोट	5267	1905
15	साबरकांठा	916	466
16	सूरत	2636	926
17	सुरेन्द्रनगर	996	607
18	वड़ोदरा	2595	1196
19	वलसाड़	2432	1187
	योग	34453*	18945

*आंकड़े 35,000 चालू एककों में से 34,453 एककों के सम्बन्ध में सारणीबद्ध किए गए हैं।

लघु तथा कुटीर उद्योगों के लिए आरक्षित उद्योग

1389. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लघु उद्योगों तथा कुटीर उद्योगों के लिए आरक्षित उद्योगों का पृथक-पृथक ब्यौरा क्या है;

(ख) इन आरक्षित उद्योगों में से कितने उद्योगों में बहुराष्ट्रिक कम्पनियों को उद्योग लगाने की अनुमति दी गई है और इसके क्या कारण हैं;